भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् में हिन्दी सप्ताह का आयोजन

हिन्दी के प्रचार–प्रसार हेतु भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् में दिनांक 07 से 14 सितम्बर 2015 तक हिन्दी सप्ताह समारोह आयोजित किया गया। दिनांक 14 सितम्बर 2015 को भा.वा.अ.शि.प. के सभागार में स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता तथा समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. अश्विनी कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. अश्विनी कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने कहा कि हिन्दी का उद्गम संस्कृत से है जो कि हमारी संस्कृति का भी उद्गम है। उन्होने कहा कि यह एक अत्यंत सरल, मधुर एवं अति विकसित भाषा है। हम सबको इस पर गर्व है। उन्होने सभी को अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने का आह्वान किया।

श्री शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार) ने स्वागत भाषण के दौरान राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं का विवरण दिया। परिषद् द्वारा शुरू किए गए नए राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कारों एवं गत वर्ष में राजभाषा की प्रगति का विवरण देते हुए कहा कि अगर इच्छाशक्ति हो तो सारे कार्य हिन्दी में सरलता से किया जा सकता है।

स्वागत भाषण के उपरांत हिन्दी दिवस 2015 के अवसर पर माननीय गृह मंत्री जी, भारत सरकार के संदेश को श्री रमाकान्त मिश्र, अनुसंधान अधिकारी, मीडिया एवं विस्तार प्रभाग द्वारा पढ़ा गया।

तदुपरांत, स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इसके साथ 4 अन्य प्रतियोगिताओं नामतः टिप्पण लेखन प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता तथा कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में 41 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि डॉ. अश्विनी कुमार, महानिदेशक के करकमलों द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये। राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कारों के अंतर्गत 'क' क्षेत्र स्थित हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला को तथा 'ग' क्षेत्र स्थित काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर को हिन्दी कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2014–15 का राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। समारोह का समापन श्री राजा राम सिंह, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार) द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। समापन समारोह में 100 से अधिक अधिकारी/वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

Hindi Week Celebration at ICFRE, Dehradun

Indian Council of Forestry Research and Education celebrated Hindi Week from 07th to 14th September 2015. The closing ceremony of the event took place today i.e. 14th September 2015 in ICFRE Auditorium. Dr. Ashwani Kumar, DG, ICFRE was the Chief Guest on this occasion. The programme started with the lighting of the lamp by the Chief Guest Dr. Ashwani Kumar, DG, ICFRE. He stated that Hindi has its origin from Sanskrit which is also the source of our culture. He said that Hindi is a simple, sweet and very developed language and all of us should be proud of it. He urged everyone to work maximum in Hindi in the Council.

Shri Saibal Dasgupta, DDG (Extn.), while delivering the welcome address laid emphasis on the importance of Rajbhasha Hindi and informed the audience about the various activities conducted during the Week. He also informed about the newly introduced *"Rajbhasha Protsahan Puraskar*" for encouraging the use of Rajbhasha Hindi amongst the staffs of the council. He said that, if there is a will it is easy to do daily official works in Hindi.

After the welcome address, the message of Hon'ble Home Minister, Government of India on the occasion of Hindi Diwas 2015 was read by Shri R.K. Mishra, Research Officer, Media and Extension Division.

It was followed by a 'Self - Written Poetry Recitation' competition on the occasion. Including this, four other competitions namely, 'Noting Drafting Competition'; 'Essay Competition'; 'English to Hindi Translation' and 'Hindi Typing on Computer' were organized during the Hindi Week Celebrations. In all, a total of 41 participants participated in various events. Prizes were distributed to the winners of different competitions held during Hindi Week by the Chief Guest, Dr. Ashwani Kumar, DG, ICFRE. Under *"Rajbhasha Protsahan Puraskar*", amongst institutes Himalayan Forest Research Institute (HFRI), Shimla was awarded for best performance amongst the institutes situated in 'A' region and Institute of Wood Science and Technology (IWST), Bangalore for best performance amongst the institutes situated in 'C' region. The programme concluded with vote of thanks by Shri Raja Ram Singh, ADG (M&Extn.). More than 100 officers, scientists and employees were present during the closing ceremony.

डॉ. अश्विनी कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून हिन्दी सप्ताह समापन समारोह–2015 में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए

डॉ. अश्विनी कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. हिन्दी सप्ताह समापन समारोह में संबोधित करते हुए

श्री शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार) स्वागत भाषण देते हुए

श्री राजा राम सिंह, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार) धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए

हिन्दी सप्ताह समापन समारोह के दौरान उपस्थित अतिथिगण